

विषय –विज्ञान
विषय कोड –200
कक्षा 10वीं

सैध्दांतिक अंक–75

प्रायोगिक अंक–25

पूर्णांक–100 (75+25)

| क्र. | इकाई/ पाठ | आबंटित अंक | निर्धारित कालखंड |
|------|---|-------------------|----------------------|
| 1. | <u>इकाई – 1</u> 1.1अम्ल क्षार एवं लवण 1.2तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण | 4 4 08 | 8 18 10 |
| 2. | <u>इकाई – 2</u> 2.1 धातु एवं धातुकर्म 2.2 अधातुओं का रसायन | 5 3 08 | 10 19 9 |
| 3. | <u>इकाई – 3</u> 3.1 दैनिक जीवन में रसायन 3.2 हाईड्रोकार्बन के व्युत्पन्न | 4 4 08 | 8 17 9 |
| 4. | <u>इकाई – 4</u> 4.1 उष्मा एवं ताप 4.2ऊर्जा: स्वरूप एवं स्रोत | 4 3 07 | 8 16 8 |
| 5. | <u>इकाई – 5</u> 5.1 प्रकाश : परावर्तन एवं अपवर्तन समतल सतह से 5.2 प्रकाश: परावर्तन एवं अपवर्तन गोलीय सतह से | 5 5 10 | 9 19 10 |
| 6. | <u>इकाई – 6</u> 6.1 विद्युत धारा एवं परिपथ 6.2 विद्युत के चुम्बकीय प्रभाव | 5 4 9 | 9 19 10 |
| 7. | <u>इकाई –7</u> 7.1 जीवों का विकास 7.2 आनुवंशिकी : जनकों से संतानों तक | 4 4 8 | 6 14 8 |
| 8. | <u>इकाई – 8</u> जैविक प्रक्रियायें –(i) पोषण परिवहन श्वसन, उत्सर्जन (ii) नियंत्रण एवं समन्वय (iii) प्रजनन, वृद्धि और परिवर्धन | 5 4 4 13 | 12 34 10 12 |
| 9. | <u>इकाई – 9</u> हमारा पर्यावरण:पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह | 4 04 | 6 6 |
| | योग | 75 | 162 |
| | प्रायोगिक अंक | 25 | 42 |
| | कुल योग | 100 | 204 |

विषय –विज्ञान
विषय कोड –200
कक्षा 10वीं

आबंटित अंक कालखण्ड

75 180

भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान का इकाईवार पाठ्यक्रम।

**इकाई
क्रमांक**

विषय सामग्री

| | | | |
|----|---|----|----|
| 1. | <p>1.1 अम्ल, क्षारक एवं लवण</p> <p>कहाँ-कहाँ बिखरे है अम्ल एवं क्षारक? कैसे करें अम्ल और क्षारक की पहचान, अम्ल एवं क्षारक के रासायनिक गुणधर्म, आयनीकरण- क्या सभी यौगिक जिनमें हाइड्रोजन है वे अम्ल हैं? क्या अम्ल केवल जलीय विलयन में ही आयन उत्पन्न करते है? अम्ल व क्षार के विलयन कितने प्रबल हैं? दैनिक जीवन में pH का महत्व, लवण, क्या सभी लवण उदासीन होते हैं? अम्ल वर्षा।</p> | 04 | 08 |
| | <p>1.2 तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण-</p> <p>तत्व: तब और अब, तत्वों को क्रम में व्यवस्थित करने की आवश्यकता क्यों? डॉबेराइनर का त्रिक नियम, न्यूलैंड्स का अष्टक सिद्धांत, लोथर मेयर का परमाणु आयतन वक्र, मेण्डलीफ का वर्गीकरण, मेण्डलीफ आवर्त सारणी, की उपलब्धियाँ, मेण्डलीफ आवर्त सारणी, की सीमाएँ, मोसले का आधुनिक आवर्त नियम, आधुनिक आवर्त सारणी आधुनिक आवर्त सारणी की विशेषताएँ, तत्वों के आवर्ती गुण- संयोजकता, परमाणु आकार, धात्विक एवं अधात्विक गुणधर्म, आयनन ऊर्जा / आयनन विभव, इलेक्ट्रॉन बंधुता, विद्युत ऋणता।</p> | 04 | 10 |
| 2. | <p>2.1 धातु एवं धातुकर्म</p> <p>धातुओं के भौतिक गुणधर्म कौन-कौन से हैं? धातुओं के रासायनिक गुणधर्म-धातुओं का वायु में दहन करने से क्या होता है? क्या होता है जब धातुएँ जल से अभिक्रिया करती हैं? क्या होता है जब धातुएँ अम्लों से अभिक्रिया करती हैं? धातुओं की प्राप्ति, छत्तीसगढ़ के प्रमुख खनिज एवं उनका वितरण, धातुकर्म- अयस्क का सान्द्रण, धातु का निष्कर्षण-धातुओं के सल्फाइड या कार्बोनेट अयस्क का ऑक्साइड में परिवर्तन, धातुओं के ऑक्साइड का धातुओं में अपचयन, धातुओं का शोधन, लोहा-लोहे का धातुकर्म, संक्षारण, जंग लगने को नियंत्रित करना, लोहे पर जंग लगने का रासायनिक सिद्धांत, मिश्र धातु।</p> | 04 | 10 |
| | <p>2.2 अधातुओं का रसायन</p> <p>अधातुओं के भौतिक गुण कौन-कौन से है? अधातुओं का आवर्त सारणी में स्थान कहाँ है? अधातुओं की खोज कब और कैसे हुई? अधातुओं का रसायन-अधातु और धातु के बीच अभिक्रिया, अधातुओं की आपस में अभिक्रिया, अधातुओं के ऑक्साइड की प्रकृति, कुछ प्रमुख अधातुएँ-हाइड्रोजन, हाइड्रोजन बनाने की प्रयोगशाला विधि, हाइड्रोजन के रासायनिक गुण, हाइड्रोजन के उपयोग, नाइट्रोजन-नाइट्रोजन बनाने की प्रयोग शाला विधि, नाइट्रोजन के रासायनिक गुण, नाइट्रोजन के उपयोग, ऑक्सीजन-ऑक्सीजन बनाने की प्रयोगशाला विधि, ऑक्सीजन के रासायनिक गुण, ऑक्सीजन के उपयोग।</p> | 04 | 09 |

| | | | |
|----|---|----|----|
| 3. | 3.1 दैनिक जीवन में रसायन | 04 | 08 |
| | जल, मृदु एवं कठोर जल, जल की कठोरता का कारण, कठोरता के प्रकार, पीने योग्य जल, उपयोग, जल प्रदूषण, साधारण नमक, नमक का निर्माण, उपयोग, खाने का सोडा—उपयोग, कपड़े धोने का सोडा—उपयोग, प्लास्टर ऑफ पेरिस—उपयोग, विरंजक चूर्ण—उपयोग, सीमेंट—सीमेंट का निर्माण, सीमेंट का जमना, छत्तीसगढ़ में सीमेंट उद्योग, काँच—काँच का उत्पादन, साबुन तथा अपमार्जक। | | |
| | 3.2 हाइड्रोकार्बन के व्युत्पन्न | 04 | 09 |
| | ऐल्कोहॉल— ऐल्कोहॉल का नामकरण, एथेनॉल का औद्योगिक उत्पादन, ऐल्कोहॉल के गुणधर्म— ऐल्कोहॉल का निर्जलीकरण, ऐल्कोहॉल का ऑक्सीकरण, ऐल्कोहॉल का उपयोग, ऐल्केनॉइक अम्ल— एथेनॉइक अम्ल का औद्योगिक निर्माण—शीघ्र सिरका विधि, ऐल्केनोइक अम्लों के गुणधर्म, ऐल्केनोइक अम्ल के उपयोग, बहुलक—प्राकृतिक एवं संश्लेषित बहुलक, पॉलीथीन, टेफ्लॉन, पॉलिविनाइल क्लोराइड, पॉलीथीन का पर्यावरण पर प्रभाव। | | |
| 4. | 4.1 ऊष्मा एवं ताप | 04 | 08 |
| | कितना गर्म, कितना ठण्डा, तापमान, तापमान कैसे मापे, तापमान के पैमाने, ऊष्मा, ऊष्मीय ऊर्जा के मात्रक, ऊष्मा का संचरण—चालन, संवहन, विकिरण, ऊष्मा के प्रभाव, ताप में वृद्धि, ऊष्मा धारिता, ऊष्मीय प्रसार— ठोस पदार्थ में ऊष्मीय प्रसार, द्रव पदार्थ में ऊष्मीय प्रसार, गैसों में ऊष्मीय प्रसार, गलन की गुप्त ऊष्मा, वाष्पन की गुप्त ऊष्मा। | | |
| | 4.2 ऊर्जा : स्वरूप एवं स्रोत | 03 | 08 |
| | आखिर ऊर्जा है क्या? मनुष्य और ऊर्जा, ऊर्जा के प्रकार एवं स्वरूप, ऊर्जा रूपांतरण, ऊर्जा का स्थानांतरण, ऊर्जा के स्रोत— ऊर्जा के परम्परागत स्रोत, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत, सौर ऊर्जा—सोलर कुकर, सौर सेल, समुद्रों से ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा, क्रेडा। | | |
| 5. | 5.1 प्रकाश: परावर्तन एवं अपवर्तन समतल सतह से | 05 | 09 |
| | समतल दर्पण पर परावर्तन द्वारा प्रतिबिंब रचना, परावर्तन के नियमों का अध्ययन, समतल दर्पण के घूमने का परावर्तित किरण पर प्रभाव, समतल दर्पण पर बिंदु वस्तु का प्रतिबिम्ब बनना, समतल दर्पण द्वारा बने आभासी प्रतिबिम्ब की दूरी, समतल दर्पण पर विस्तारित वस्तु का प्रतिबिम्ब बनना, बहु प्रतिबिम्ब, प्रकाश का समतल सतह पर अपवर्तन, अपवर्तनांक, सापेक्षिक अपवर्तनांक, अपवर्तन के नियम, प्रिज्म द्वारा प्रकाश का अपवर्तन, वास्तविक एवं आभासी गहराई, उत्क्रमणीयता का सिद्धांत, क्रांतिक कोण तथा पूर्ण आंतरिक परावर्तन, पूर्ण आंतरिक परावर्तन के उदाहरण। | | |
| | 5.2 प्रकाश : परावर्तन एवं अपवर्तन गोलीय सतह से | 05 | 10 |
| | गोलीय दर्पण— गोलीय दर्पण से जुड़ी कुछ प्रमुख परिभाषाएँ, गोलीय सतहों पर परावर्तन, गोलीय दर्पणों द्वारा परावर्तन के लिये चिन्ह परिपाटी, गोलीय दर्पण से प्रतिबिंब रचना के नियम, गोलीय दर्पण द्वारा प्रतिबिम्ब रचना, वस्तु की विभिन्न स्थितियों में गोलीय दर्पण के किरण आरेख, गोलीय दर्पण से संबंधित विभिन्न राशियों में अंतर्संबंध, गोलीय दर्पण की फोकस दूरी (f) एवं वक्रता त्रिज्या (R) में संबंध, गोलीय दर्पण के f, u एवं v में संबंध (दर्पण का सूत्र), आवर्धन, गोलीय दर्पणों के | | |

- उपयोग, गोलीय सतह द्वारा अपवर्तन, लेंस द्वारा अपवर्तन, गोलीय लेंसों से संबंधित कुछ मुख्य परिभाषाएँ, गोलीय लेंसों के लिए चिन्ह परिपाटी, गोलीय लेंस से प्रतिबिम्ब रचना के नियम,
- गोलीय लेंस द्वारा प्रतिबिम्ब बनना, वस्तु की विभिन्न स्थितियों के लिए गोलीय लेंसों द्वारा बने प्रति बिम्ब के किरण आरेख। लेंस से संबंधित विभिन्न राशियों में अंतर्संबंध, गोलीय लेंस के f, u एवं v में संबंध (लेंस का सूत्र) आवर्धन, लेंस की क्षमता, लेंसों का उपयोग, लेंसों द्वारा बनने वाले कुछ प्रकाशिक यंत्र— फोटोग्राफिक कैमरा, सूक्ष्मदर्शी, दूरदर्शी।
6. **6.1 विद्युत धारा एवं परिपथ** 05 09
विद्युत धारा, विद्युत परिपथ के घटक, विद्युत विभव एवं विभवान्तर, ओम का नियम, धारा प्रतिरोध व चालकता, प्रतिरोधों का संयोजन— श्रेणी क्रम संयोजन, समानांतर क्रम संयोजन, विद्युत धारा का तापीय प्रभाव, विद्युत शक्ति, घरेलू विद्युत परिपथ, विद्युत प्रयोग में रखी जाने वाली सावधानियाँ।
- 6.2 विद्युत के चुंबकीय प्रभाव** 04 10
चुंबकीय क्षेत्र और चुंबकीय बल रेखा, धारावाही चालक के कारण चुंबकीय क्षेत्र, सीधे चालक तार से विद्युत धारा प्रवाहित होने के कारण चुंबकीय क्षेत्र, चुंबकीय क्षेत्र की दिशा ज्ञात करने के लिये दाहिने हाथ का नियम, वृत्तीय धारावाही चालक के कारण चुंबकीय क्षेत्र, परिनालिका के कारण चुंबकीय क्षेत्र, चुंबकीय क्षेत्र में किसी विद्युत धारावाही चालक पर बल, फ्लेमिंग का बायें हाथ का नियम, विद्युत मोटर, विद्युत चुंबकीय प्रेरण फ्लेमिंग के दाहिने हाथ का नियम, डायनेमो या विद्युत जनित्र।
7. **7.1 जीवों का विकास** 04 06
जीवों के विकास में आवास और उसका प्रभाव, बीगल का सफर और डार्विन का अनुभव, डार्विन के अवलोकन, गलापगोस के द्वीप समूह पर डार्विन के कुछ विशेष अवलोकन— विविधता:—तथ्य और प्रमाण, चयन और विकास, विकास का सिद्धांत, प्रजातिकरण— अनुकूलन और प्रजातिकरण, प्रजातियाँ आखिर क्या है।
- 7.2 आनुवंशिकी : जनकों से संतानों तक** 04 08
जीवों में समानता एवं विभिन्नता—जंतुओं में (मनुष्य), पौधों में, आनुवंशिकी और मेण्डल का योगदान, मेण्डल के प्रयोग और उनके उद्देश्य, मेण्डल के प्रयोगों के परिणाम, परिणाम के आधार पर अनुमान, संभाविता और अनुमान की जाँच, मेण्डल के नियम, मानव में मेण्डलीय नियम अनुसार आनुवंशिकी, सिकलसेल कारक और आनुवंशिकी, मनुष्य में लिंग निर्धारण, जनकों से संतान : कारक से जीन तक।
8. **8.1 जैविक प्रक्रियाएँ— पोषण, परिवहन, श्वसन, उत्सर्जन** 05 12
अंग तंत्रों का विकास, मनुष्य में जैविक प्रक्रियाएँ, पाचन और उससे जुड़ी व्यवस्थाएँ, पाचन की प्रक्रिया, पाचन तंत्र का कार्य, परिवहन तंत्र से जुड़ी संरचनाएँ और उनके कार्य, परिवहन तंत्र में हृदय की भूमिका, परिवहन तंत्र में रक्त की भूमिका, परिवहन तंत्र में लसिका तंत्र की भूमिका, श्वसन तंत्र और उससे जुड़ी व्यवस्थाएँ और क्रियाएँ, उत्सर्जन तंत्र और उससे जुड़ी संरचनाएँ, उत्सर्जन अंग की इकाई "नेफ्रॉन" की संरचना व कार्य, पौधों में जैविक प्रक्रियाएँ, पोषण व श्वसन, परिवहन तंत्र से जुड़ी संरचनाएँ व उनका कार्य, अपशिष्ट पदार्थों का प्रबंधन, एक कोशिकीय जीवों में जैविक प्रक्रियाएँ।
- 8.2 जैविक प्रक्रियाएँ—नियंत्रण एवं समन्वय** 04 10

मनुष्यों में सूचनाओं का संचार एवं व्यवस्था, सूचनाओं के संचार से संबंधित अंगों के बारे में हमें कैसे पता चला? तंत्रिका कोशिका की संरचना, संवेदी अंग और तंत्रिकाएँ, मेरुरज्जु की संरचना एवं कार्य, मस्तिष्क और उसकी भूमिका, सूचनाओं का आवागमन—उद्दीपन एवं प्रतिक्रिया, मनुष्य में हार्मोन द्वारा सूचनाओं का आवागमन, हार्मोन्स की मात्रा का नियंत्रण, पौधों में नियंत्रण एवं समन्वय।

8.3 जैविक प्रक्रियाएँ—प्रजनन, वृद्धि और परिवर्धन

04

12

मनुष्य में प्रजनन, वृद्धि और परिवर्धन, प्रजनन : नर और मादा की भूमिका, मनुष्य में वृद्धि और परिवर्धन, नर और मादा शरीर में वृद्धि और परिवर्धन, माहवारी या मासिक चक्र, पौधों में नर व मादा जनन अंग और निषेचन, कोशिका विभाजन एवं वृद्धि और परिवर्धन, कोशिका विभाजन, विभाजन की अवस्था और कोशिका का जीवन काल, अलैंगिक प्रजनन और समसूत्री विभाजन का महत्व, कोशिका विभाजन—लैंगिक प्रजनन व युग्मकों का निर्माण, लैंगिक बनाम अलैंगिक प्रजनन एक कोशिकीय जीवों में वृद्धि और प्रजनन, प्रजनन स्वास्थ्य।

9. हमारा पर्यावरण : पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का प्रवाह

04

06

अंतर्संबंधों का अध्ययन, पारिस्थितिक तंत्र से अभिप्राय, धान के खेत का पारिस्थितिक तंत्र, पारिस्थितिक तंत्र और पोषक स्तर, पारिस्थितिक पिरामिड— जीव संख्या के पिरामिड, उत्पादकों की भूमिका एवं जीव भार, जीव भार के पिरामिड, पोषक स्तर के द्वारा ऊर्जा का प्रवाह, पोषक चक्र— पदार्थों का प्रवाह, पारिस्थितिक तंत्र में मनुष्य का हस्तक्षेप।

| | | |
|-----------|-----|-----|
| योग | 75 | 180 |
| प्रोजेक्ट | 25 | 24 |
| महायोग | 100 | 204 |

विज्ञान
प्रायोगिक कार्य
“अंक विभाजन”

कुल अंक—25

1- कोई तीन प्रयोग – 15 (5+5+5)

(जीव विज्ञान, रसायन, विज्ञान, भौतिक विज्ञान से एक-एक प्रयोग अनिवार्य)

खंड (A) जीव विज्ञान के प्रायोगिक अंको का विभाजन 05

- | | |
|-------------------------|--------|
| 1. आवश्यक सामग्री | 01 अंक |
| 2. विधि, नामांकित चित्र | 02 अंक |
| 3. प्रस्तुतीकरण | 01 अंक |
| 4. परिणाम, सावधानियाँ | 01 अंक |

खंड (B) रसायन विज्ञान के प्रायोगिक अंको का विभाजन 05

- | | |
|---------------------------------------|--------|
| 1. आवश्यक सामग्री | 01 अंक |
| 2. सिध्दांत एवं सूत्र, नामांकित चित्र | 02 अंक |
| 3. अवलोकन, गणना | 01 अंक |
| 4. परिणाम, सावधानियाँ | 01 अंक |

खंड (C) भौतिक विज्ञान के प्रायोगिक अंको का विभाजन 05

- | | |
|---------------------------------------|--------|
| 1. आवश्यक सामग्री | 01 अंक |
| 2. सिध्दांत एवं सूत्र, नामांकित चित्र | 02 अंक |
| 3. अवलोकन, गणना | 01 अंक |
| 4. परिणाम, सावधानियाँ | 01 अंक |

2. प्रयोग से संबंधित मौखिक परीक्षा (Viva) 02 अंक 05
सत्र की गयी प्रायोगिक रिकार्ड (Record) 03 अंक

3. प्रोजेक्ट रिकार्ड (निर्देशानुसार) 05

योग—

25

प्रायोगिक कार्य की सूची

विषय—विज्ञान
कक्षा— 10वीं

| विषय | क्र. | प्रायोगिक कार्य |
|---------------|------|--|
| जीव विज्ञान | 1. | साँस से निकलने वाली हवा और वातावरणीय हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा का तुलनात्मक अध्ययन। |
| | 2. | मुख की लार द्वारा मंड (स्टार्च) पर होने वाली क्रिया का परीक्षण करना। |
| | 3. | प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में निकलने वाली गैस की पहचान करना। |
| | 4. | दिए गए पुष्प में नर तथा मादा जनन अंगों का अध्ययन करना। |
| रसायन विज्ञान | 1. | उदासीनीकरण अभिक्रिया का अध्ययन करना। |
| | 2. | लोहे पर नमी तथा वायु के प्रभाव का अध्ययन करना। |
| | 3. | दिए गए रसायनों के नमूनों से धोने का सोडा या खाने का सोडा की पहचान करना। |
| | 4. | ऐल्कोहॉल और ऐल्केनॉइक अम्ल के मध्य एस्टरीकरण अभिक्रिया का अध्ययन करना। |
| भौतिक विज्ञान | 1. | प्रयोग द्वारा सेल्सियस एवं फ़ैरनहाइट तापक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन करना एवं संबंधित परिवर्तन सूत्र की सत्यता स्थापित करना। |
| | 2. | ओम के नियम का सत्यापन करना। |
| | 3. | समतल दर्पण की सहायता से परावर्तन के नियम का सत्यापन करना। |
| | 4. | कांच के आयताकार गुटके का अपवर्तनांक ज्ञात करना (अथवा) अपवर्तन के नियमों का सत्यापन करना। |
| | 5. | एक पिन विधि द्वारा अवतल दर्पण दूरी ज्ञात करना। |
| | 6. | आयताकार दंड चुम्बक का उत्तरी ध्रुव भौगोलिक उत्तर की ओर रखकर बल रेखायें खींचना (N→N)। |
| | 7. | एक आयताकार दंड चुम्बक का उत्तरी ध्रुव भौगोलिक दक्षिण की ओर रखकर बल रेखाएं खींचना और उदासीन बिन्दु ज्ञात करना (N→S)। |

प्रोजेक्ट कार्य की सूची

विषय—विज्ञान

कक्षा— 10वीं

(जीव विज्ञान)

1. प्राकृतिक चयन की प्रक्रिया को समझना।
2. अपने पर्यावरण के जैविक व अजैविक घटकों और उनके बीच की परस्परिक निर्भरता को समझना।
3. आनुवंशिकता में संभावितता की भूमिका को समझना।

(रसायन विज्ञान)

1. P^H पेपर का उपयोग कर, विभिन्न पदार्थों के जलीय विलयनों का P^H मान ज्ञात करना।
2. छत्तीसगढ़ में उपलब्ध लोह अयस्कों तथा उनसे धातु के निष्कर्षण की जानकारी प्राप्त कर धातु शिल्प के क्षेत्र में उनके उपयोग को जानना।
3. अपने आस-पास के परिवारों से उनके द्वारा पॉलिथीन के उपयोग संबंधी जानकारी प्राप्त कर इसके उपयोग को समाप्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का अध्ययन करना।
4. साबुन बनाने की साबुनीकरण अभिक्रिया का अध्ययन करना।

(भौतिक विज्ञान)

1. प्रकाशिक यंत्र बनाना।
2. विद्युत-परिपथ को लगातार बन्द-चालू, चालू – बन्द करके चुम्बकीय क्षेत्र पैदा किया जा सकता है, और चुम्बकीय क्षेत्र को तेजी से कम-ज्यादा, ज्यादा-कम करके या बदलकर बिजली पैदा की जा सकती है।
3. पवन चक्की का मॉडल बनाकर पवन ऊर्जा की दैनिक जीवन में उपयोगिता को प्रदर्शित करना।

प्रोजेक्ट कार्य हेतु आवश्यक निर्देश—

1. प्राजेक्ट कार्य छोटे-छोटे समूह में भी किया जा सकता है।
2. प्रत्येक छात्र को कुल तीन प्राजेक्ट कार्य करना अनिवार्य है अर्थात् भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान तीनों विषयों से एक-एक प्राजेक्ट कार्य।
3. प्राजेक्ट लेखन कार्य क्रमबद्ध होना चाहिए। आवश्यकतानुसार चित्र / पेपर / कटिंग / प्रादर्श / संग्रह / फोटोग्राफ / ग्राफ / अन्य का उल्लेख भी किया जा सकता है।
4. प्राजेक्ट परीक्षावधि में प्रत्येक छात्र द्वारा किए गए प्रयोग एवं प्राजेक्ट कार्य से मौखिक प्रश्न पूछा जाना अनिवार्य है।
5. स्थानीय समस्या को ले कर भी प्राजेक्ट कार्य किया जा सकता है।